

उपरोक्त प्राचीनों में से एक अतिरिक्त पीनल उपरोक्त प्रकार आदेशित दूरसी हेतु विवेदन किया है एवं इस दूरसी को करने हेतु राश्वरती विधिगत में ही कार्य होना आवश्यक माना भी अत्यन्त आवश्यक की गई है। उक्त दूरसी अस्तुतः विधिकीय दृष्टि रूपाय की रचना में आती है। अतिरिक्त इन्दाज दूरसी अस्तुतः राश्वरती से निकले जाने हेतु प्राचीन में प्राधान की है तथा अतिरिक्त के अन्वय पर भी उक्त इन्दाज दूरसी अत्यन्त अतिरिक्त में लेने योग्य है। अतः निम्नलिखित इन्दाज दूरसी किये जाने के आदेश दिये जाते हैं :-

पूर्व इन्दाज					स्वीकृत किया गया इन्दाज		
1	2	3	4	5	6	7	8
घात का नाम	संख्या	साक्षीदार का नाम	संख्या	संख्या	साक्षीदार का नाम	संख्या	संख्या
छापी हुई	86	रोशन पाल फाकल का अके बदतर	81	1-28	रोशनी बाबू पाल फाकल का शेख बदतर	81	1-28

क्रमिक :-

810  
88/11-2-1

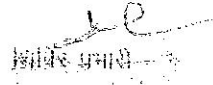
प्रतिनिधि पालनाई :-

1. उप जलसीलदार, गौलासर

क्रमिक :-

प्रतिनिधि पालनाई :-

1. बदतर हलका छापी हुई का पीनल देता है कि अब जामालय का समान नहीं हो तो निर्णयानुसार पालना सुनिश्चित करें।



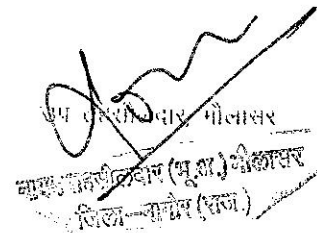
(अतिरिक्त जिला कलक्टर, डी.डी.वांग)

दिनांक :-



(अतिरिक्त जिला कलक्टर, डी.डी.वांग)

दिनांक :-

  
उप जलसीलदार, गौलासर  
आर.एस.एस. (पू.रा.) गौलासर  
जिला-वांग (राज.)